

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1529
उत्तर दिनांक 04/12/2024 को दिया गया

परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता

1529. श्री विष्णु दत्त शर्मा

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

- (क) क्या सरकार ने दाबयुक्त भारी जल रिएक्टरों की सहायता से वर्ष 2029 तक देश की परमाणु विद्युत उत्पादन क्षमता में लगभग 70 प्रतिशत की वृद्धि करने की योजनाओं की घोषणा की है;
- (ख) यदि हां, तो क्या पर्यावरण अनुकूलता और सस्ता होने के आधार पर इस प्रकार से विद्युत उत्पादन अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की तुलना में अधिक तर्कसंगत होगा;
- (ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

- (क) वर्तमान स्थापित क्षमता वर्ष 2029-30 तक 8180 मेगावाट से 14080 मेगावाट तक बढ़ाया जाना निर्धारित है, निर्माण/कमीशनन अधीन परियोजनाओं - आरएपीपी 7 व 8 (2 x 700 मेगावाट), केकेएनपीपी 3 व 4 (2 x 1000 मेगावाट), केकेएनएनपी 5 व 6 (2 x 1000 मेगावाट) और पीएफबीआर (500 मेगावाट) के पूरा होने पर लगभग 70% की वृद्धि हो जाएगी। जबकि आरएपीपी 7 व 8 स्वदेशी दाबित भारी पानी रिएक्टर हैं, केकेएनपीपी 3 से 6 साधारण जल रिएक्टर हैं और पीएफबीआर एक द्रुत प्रजनक रिएक्टर है। इस प्रकार क्षमता बढ़ाने की योजना कई प्रौद्योगिकियों के रिएक्टरों के संस्थापन के माध्यम से बनाई गई है।
- (ख) से (घ) नाभिकीय ऊर्जा 24x7 उपलब्ध बिजली का एक स्वच्छ, आधार भार स्रोत है। इसका जीवन चक्र ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन जलविद्युत और पवन जैसे नवीकरणीय ऊर्जा के ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन से तुलनीय है। हालांकि, वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य लक्ष्य हासिल करने के लिए स्वच्छ स्रोतों में बड़े पैमाने पर ऊर्जा परिवर्तन की देश की बड़ी मांग और आवश्यकता को देखते हुए, नाभिकीय और अन्य नवीकरणीय प्रौद्योगिकियों को बड़े पैमाने पर स्थापित किया जाना चाहिए।
